GAIL looks at petrochem, renewables for growth

NEW DELHI: State-owned GAIL India Ltd is eyeing expansion in petrochemicals, specialty chemicals and renewables to supplement growth in its core business of natural gas marketing and transportation, its chairman Manoj Jain has said.

The nation's largest gas marketer and shipper has adopted a revised strategic plan identifying priority business initiatives.

"This strategic plan will help us to address our challenges in changing industry scenarios and provide new areas for growth with geographic expansion," he said in the company's latest annual report.

GAIL transports over 70 per cent of all gas shipped in the country through its network of 12,426-km network of natural gas trunk pipelines. It sells 55 per cent of all natural gas in the country and petrochemical plants at Pata and Lepatkata in Assam that gives it a 17.5 per cent market share.

It has a small portfolio of wind and solar power generation capacity.

"While gas will remain our core segment, we will look for growth in other areas such as petrochemicals, specialty chemicals, renewables, water, etc to reach new heights in coming years," he said.

GAIL in the annual report for 2019-20 said it has undertaken 'Strategy 2030' exercise to define its journey through the next decade.

"The strategy has been developed with the objective of building a strong business portfolio and organisation structure which is not only robust enough to respond to the fast-changing business scenario but also unlocks growth opportunities for the long-term growth of the company," it said.

GAIL said it plans to bid for new pipelines put on offer by the regulator.

Also, it will continue to grow its gas transmission business by laying important sections of National Gas Grid -- about 7,500-km of lines, mostly to the eastern part of the country, are currently being laid.

GAIL said it shall push for higher gas usage in the industrial and transport segments using CNG and LNG.

The company is talking to city gas licence holders to set up liquefied natural gas (LNG) dispensing stations on National Highways to supply fuel to long-haul trucks and buses.

It will also explore "opportunities in the petrochemicals segment to leverage upon GAIL's extensive presence and high future demand of polyethylene and polypropylene," the report said adding the firm was also assessing opportunities for certain specialty chemicals in India. PTI

गेल ने वृद्धि के लिए बनाई नई रणनीति

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गेल इंडिया लिमिटेड वृद्धि को गति देने के लिए मुख्य कारोबार प्राकृतिक गैस विपणन और परिवहन के अलावा पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विस्तार पर गौर कर रही है। कंपनी के चेयरमैन मनोज जैन ने बताया कि कंपनी ने प्राथमिकता वाले कारोबार को चिन्हित किए हैं। देश की सबसे बड़ी गैस विपणन और परिवहन कंपनी ने नई रणनीति बनाई है। जैन ने कहा कि इस रणनीतिक से हमें बदलते परिदृश्य में चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलेगी।

गेल की वृद्धि के लिए पेट्रोरसायन, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों पर नजर

नई दिल्ली, (भाषा)। सार्वजनिक क्षेत्र की गेल इंडिया लि. वृद्धि को गति देने के लिये मुख्य कारोबार प्राकृतिक गैस विपणन और परिवहन के अलावा पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विस्तार पर गौर कर रही है। कंपनी के चेयरमैन मनोज जैन ने बताया कि कंपनी ने प्राथमिकता वाले कारोबार को चिन्हित किए हैं।

देश की सबसे बड़ी गैस विपणन और परिवहन कंपनी ने नई रणनीति बनायी है।

जैन ने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में कहा, इस रणनीतिक योजना से हमें बदलते औद्योगिक परिदृश्य में चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलेगी और भौगोलिक विस्तार के साथ वृद्धि के लिये नये क्षेत्र मिलेंगे।देश में होने वाले कुल गैस परिवहन में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी गेल की है। कंपनी अपने 12,426 किलोमीटर लंबे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के जरिये गैस का परिवहन करती है। कंपनी देश में कुल प्राकृतिक गैस की बिक्री में 55 प्रतिशत हिस्सा रखती है। कंपनी छोटे स्तर पर पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में भी है।

उन्होंने कहा, गैस हमारा महत्वपूर्ण कारोबार बना रहेगा, हम आने वाले वर्षों में नई ऊंचाई पर पहुंचने के लिये पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन, नवीकरणीय ऊर्जा, जल आदि क्षेत्रों में वृद्धि पर ध्यान दे रहे है।गेल ने 2019-20 की अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि उसने कंपनी को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिये रणनीति 2030 बनायी है।

इसमें कहा गया है, रणनीति मजबूत कारोबारी पोर्टफोलियो और संगठन ढांचा को ध्यान में रखकर बनायी गयी है। हमारा संगठन ढांचा न केवल तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में कदम उठाने के लिये पर्याप्त है बल्कि कंपनी की दीर्घकालीन वृद्धि के लिये अवसरों का भी उपयोग करने में सक्षम है। कंपनी ने कहा कि उसकी नियामक द्वारा बिक्री के लिये रखे जाने वाले नई पाइपलाइन में बोली लगाने की योजना है। साथ ही वह राष्ट्रीय गैस ग्रिड के महत्वूपर्ण खंडों में पाइपलाइन बिछाकर गैस पारेषण कारोबार में वृद्धि करेगी। राष्ट्रीय गैस ग्रिड के तहत मुख्य रूप से देश के पूर्वी भाग में करीब 7,500 किलोमीटर लाइन बिछाये जा रहे हैं। गेल सिटी गैस लाइसेंस धारकों से भी राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे तरलीकृत प्राकृतिक गैस ाएलएनजीा स्टेशन लगाने को लेकर बातचीत कर रही है ताकि लंबी दूरी वाले ट्रकों और बसों को ईंधन की आपूर्ति की जा सके।रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा कंपनी पेट्रोरसायन क्षेत्र में अवसरों को भी टटोलेगी। साथ ही कंपनी देश में कुछ विशेष प्रकार के रसायन क्षेत्र में भी अवसरों का आकलन कर रही है। गेल ने कहा कि वह भविष्य में वृद्धि की संभावना को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करेगी। कंपनी क्षेत्र में काम कर रही कंपनियों की नवीकरणीय ऊर्जा परिसपंत्ति के अधिग्रहण की भी संभावना टटोल रही है। वह सौर बिजली उत्पादक के रूप में सौर पार्क निविदा में भी भाग लेगी। सिटी गैस नेटवर्क विस्तार के अलावा कंपनी नये कारोबार में अवसर टटोलेगी जिसमें आने वाले समय में वृद्धि को गति देने की क्षमता हो।

गेल की वृद्धि के लिए पेट्रोरसायन, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों पर नजर

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की गेल इंडिया लि. वृद्धि को गति देने के लिए मुख्य कारोबार प्राकृतिक गैस विपणन और परिवहन के अलावा पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विस्तार पर गौर कर रही है। कंपनी के चेयरमैन मनोज जैन ने बताया कि कंपनी ने प्राथमिकता वाले कारोबार को चिन्हित किए हैं। देश की सबसे बड़ी गैस विपणन और परिवहन कंपनी ने नई रणनीति बनाई है। जैन ने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में कहा, इस रणनीतिक योजना से हमें बदलते औद्योगिक परिदृश्य में चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलेगी और भौगोलिक विस्तार के साथ वृद्धि के लिए नए क्षेत्र मिलेंगे। देश में होने वाले कुल गैस परिवहन में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी गेल की है। कंपनी अपने 12,426 किलोमीटर लंबे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए गैस का परिवहन करती है। कंपनी देश में कुल प्राकृतिक गैस की बिक्री में 55 प्रतिशत हिस्सा रखती है। कंपनी छोटे स्तर पर पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में भी है। उन्होंने कहा, गैस हमारा महत्वपूर्ण कारोबार बना रहेगा, हम आने वाले वर्षों में नई उंचाई पर पहुंचने के लिए पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन, नवीकरणीय ऊर्जा, जल आदि क्षेत्रों में वृद्धि पर ध्यान दे रहे हैं। गेल ने 2019-20 की अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि उसने कंपनी को नई उंचाई पर ले जाने के लिए रणनीति 2030 बनाई है। इसमें कहा गया है, रणनीति मजबूत कारोबारी पोर्टफोलियो और संगठन ढांचा को ध्यान में रखकर बनाई गई है। हमारा संगठन ढांचा न केवल तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में कदम उठाने के लिए पर्याप्त है बल्कि कंपनी की दीर्घकालीन वृद्धि के लिए अवसरों का भी उपयोग करने में सक्षम है। कंपनी ने कहा कि उसकी नियामक द्वारा बिक्री के लिए रखे जाने वाले नई पाइपलाइन में बोली लगाने की योजना है। साथ ही वह राष्ट्रीय गैस ग्रिड के महत्वूपर्ण खंडों में पाइपलाइन बिछाकर गैस पारेषण कारोबार में वृद्धि करेगी। राष्ट्रीय गैस ग्रिड के तहत मुख्य रूप से देश के पूर्वी भाग में करीब 7,500 किलोमीटर लाइन बिछाए जा रहे हैं। गेल सिटी गैस लाइसेंस धारकों से भी राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) स्टेशन लगाने को लेकर बातचीत कर रही है ताकि लंबी दूरी वाले ट्रकों और बसों को ईंधन की आपूर्ति की जा सके।पोर्ट के अनुसार इसके अलावा कंपनी पेट्रोरसायन क्षेत्र में अवसरों को भी टटोलेगी। साथ ही कंपनी देश में कुछ विशेष प्रकार के रसायन क्षेत्र में भी अवसरों का आकलन कर रही है। गेल ने कहा कि वह भविष्य में वृद्धि की संभावना को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करेगी। कंपनी क्षेत्र में काम कर रही कंपनियों की नवीकरणीय ऊर्जा परिसपंत्ति के अधिग्रहण की भी संभावना टटोल रही है। सौर बिजली उत्पादक के रूप में सौर पार्क निविदा में भी भाग लेगी। विस्तार के अलावा कंपनी नए कारोबार में अवसर टटोलेगी जिसमें आने वाले समय में वृद्धि को गति देने की क्षमता हो।

देश की सबसे बड़ी गैस विपणन और परिवहन कंपनी ने नई रणनीति बनाई है। जैन ने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में कहा।

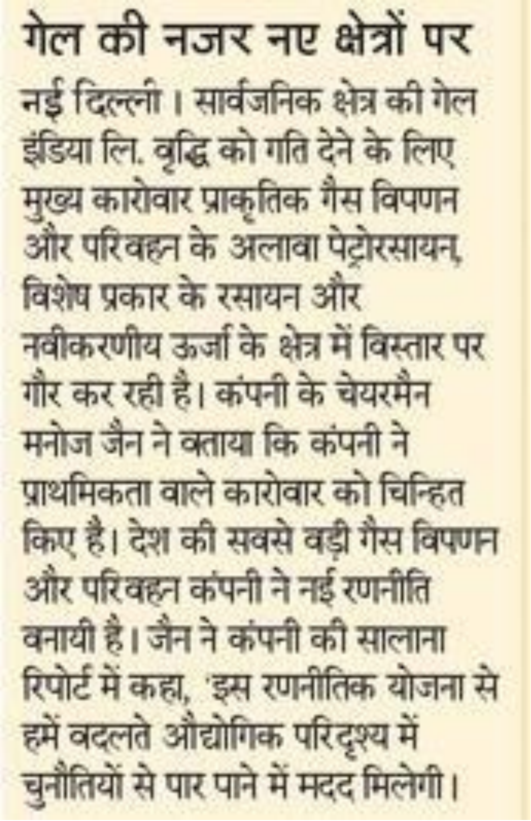

गेल की नजर नए क्षेत्रों पर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की गेल इंडिया लि. वृद्धि को गति देने के लिए मुख्य कारोवार प्राकृतिक गैस विपणन और परिवहन के अलावा पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विस्तार पर गौर कर रही है। कंपनी के चेयरमैन मनोज जैन ने वताया कि कंपनी ने प्राथमिकता वाले कारोवार को चिन्हित किए हैं। देश की सवसे वड़ी गैस विपणन और परिवहन कंपनी ने नई रणनीति वनायी है। जैन ने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में कहा, 'इस रणनीतिक योजना से हमें वदलते औद्योगिक परिदृश्य में चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलेगी।

गेल की वृद्धि के लिये पेट्रोरसायन, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों पर नजर

नई दिल्ली, भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की गेल इंडिया लि. वृद्धि को गति देने के लिये मुख्य कारोबार प्राकृतिक गैस विपणन और परिवहन के अलावा पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विस्तार पर गौर कर रही है। कंपनी के चेयरमैन मनोज जैन ने बताया कि कंपनी ने प्राथमिकता वाले कारोबार को चिन्हित किए हैं। देश की सबसे बड़ी गैस विपणन और परिवहन कंपनी ने नई रणनीति बनायी है। जैन ने कंपनी की सालाना रिपोर्ट में कहा, ''इस रणनीतिक योजना से हमें बदलते औद्योगिक परिदृश्य में चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलेगी और भौगोलिक विस्तार के साथ वृद्धि के लिये नये क्षेत्र मिलेंगे।'' देश में होने वाले कुल गैस परिवहन में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी गेल की है। कंपनी अपने 12,426 किलोमीटर लंबे प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के जरिये गैस का परिवहन करती है। कंपनी देश में कुल प्राकृतिक गैस की बिक्री में 55 प्रतिशत हिस्सा रखती है। कंपनी छोटे स्तर पर पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन क्षेत्र में भी है। उन्होंने कहा, ''गैस हमारा महत्वपूर्ण कारोबार बना रहेगा, हम आने वाले वर्षों में नई ऊंचाई पर पहुंचने के लिये पेट्रोरसायन, विशेष प्रकार के रसायन, नवीकरणीय ऊर्जा, जल आदि क्षेत्रों में वृद्धि पर ध्यान दे रहे हैं।'' गेल ने 2019-20 की अपनी सालाना रिपोर्ट में कहा कि उसने कंपनी को नई ऊंचाई पर ले जाने के लिये 'रणनीति 2030 बनायी है।

इसमें कहा गया है, ''रणनीति मजबूत कारोबारी पोर्टफोलियो और संगठन ढांचा को ध्यान में रखकर बनायी गयी है। हमारा संगठन ढांचा न केवल तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में कदम उठाने के लिये पर्याप्त है बल्कि कंपनी की दीर्घकालीन वृद्धि के लिये अवसरों का भी उपयोग करने में सक्षम है।

कंपनी ने कहा कि उसकी नियामक द्वारा बिक्री के लिये रखे जाने वाले नई पाइपलाइन में बोली लगाने की योजना है। साथ ही वह राष्ट्रीय गैस ग्रिड के महत्वूपर्ण खंडों में पाइपलाइन बिछाकर गैस पारेषण कारोबार में वृद्धि करेगी। राष्ट्रीय गैस ग्रिड के तहत मुख्य रूप से देश के पूर्वी भाग में करीब 7,500 किलोमीटर लाइन बिछाये जा रहे हैं। गेल सिटी गैस लाइसेंस धारकों से भी राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) स्टेशन लगाने को लेकर बातचीत कर रही है ताकि लंबी दूरी वाले ट्रकों और बसों को ईंधन की आपूर्ति की जा सके। रिपोर्ट के अनुसार इसके अलावा कंपनी पेट्रोरसायन क्षेत्र में अवसरों को भी टटोलेगी।